DAINIK JAGRAN, JAMMU, 05-03-2011 (HINDI)

पंडितों की वापसी प्राथमिकता

पीएम ने जगटी में कॉलोनी का उद्घाटन करने के बाद दोहराई प्रतिबद्धता

जगटी (जम्मू), विशेष संवाददाता : एक दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को जम्मू पहुंचे प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने कश्मीरी पंडितों की घाटी वापसी की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि विस्थापित पंडित कश्मीर में अमन-चैन की जिंदगी जी सकें। अलबत्ता, इस दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीरी पंडितों में सुरक्षा की भावना मजबूत बनाए बिना वादी में उनकी वापसी संभव नहीं है।

दावा

- सुरक्षा की भावना पैदा किए बिना कश्मीरियों की वापसी असंभव : उमर

प्रधानमंत्री जगटी (नगरोटा) में विस्थापित कश्मीरी पंडितों के पुनर्वास के लिए निर्माणाधीन आवासीय कालोनी का उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित कर रहे थे। लगभग तीन मिनट के अपने भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि वर्ष 2004 में जब उन्होंने कश्मीरी विस्थापितों की हालत देखी तो उन्हें बहुत दुख हुआ। पंडित अत्यंत दयनीय स्थिति में रह रहे थे। उसके बाद उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार के साथ विचार-विमर्श किया और पंडितों के लिए दो कमरों के आवासीय फ्लैट उपलब्ध कराने का फैसला हुआ। इसके बाद मुट्ठी, पुरखू और जगटी में आवासीय कालोनी बसाने का काम शुरू हुआ। मनमोहन ने कहा कि उन्हें खुशी है कि जगटी में इस योजना का पहला चरण पूरा हो गया है और उम्मीद है कि यह योजना अपने निर्धारित समय में पूरी हो जाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि कश्मीर से रिफ्यूजी बनकर निकले लोगों को वापस उनके घरों में ले जाया जाए। हम चाहते हैं कि ऐसे हालात पैदा हों कि हमारे कश्मीरी भाई कश्मीर में अमन-चैन के साथ अपनी जिंदगी जी सकें। इसके लिए हम पूरा प्रयास कर रहे हैं। इससे पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री से जम्मू के आस-पास स्थित तीन विस्थापित शिविरों से चुने गए 12 विस्थापितों को आवंटित पहले 12 फ्लैट की चाबियां प्रदान करने का आग्रह किया। इस मौके पर उमर ने कहा कि कश्मीर से यह लोग असुरक्षा की भावना के चलते अपने घर-बार छोड़कर आए थे। जब तक इनमें सुरक्षा की भावना मजबूत नहीं होगी और कश्मीर में हालात पूरी तरह सामान्य नहीं होंगे, ये नहीं लौट सकते।

हम कश्मीर के हालात सामान्य बनाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। इस मौके पर राजस्वमंत्री रमन भल्ला ने प्रधानमंत्री को एक शॉल भी भेंट किया। इस दौरान केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री गुलाम नबी आजाद, राज्यपाल एनएन वोहरा, कांग्रेस प्रमुख प्रो. सैफुद्दीन सोज, उपमुख्यमंत्री ताराचंद भी मौजूद थे।

पत्रकारों को संबोधित करने से पहले प्रधानमंत्री के सुरक्षाकर्मी माइक की जांच करते हुए।(दाएं) कश्मीरी विस्थापित बबली कुमारी को उसके फ्लैट के दस्तावेज सौंपते प्रधानमंत्री।

लाटरी से होगा आवंटन

जम्मू : शहर से बीस किलोमीटर दूर जगटी में कश्मीरी विस्थापितों के पुनर्वास के लिए बसाई जा रही कॉलोनी में 4218 परिवारों के लिए दो कमरे वाले फ्लैट बनाए जा रहे हैं। इसमें दो स्कूल, 40 बिस्तरों वाला एक अस्पताल, एक स्वास्थ्य केंद्र, 38 पार्क, एक वृद्धाश्रम, तीन सामुदायिक भवन व एक मैदान है। इसके अलावा पेयजल और बिजली आपूर्ति के लिए 41 सब स्टेशनों से जुड़ा 20 एमवीए का एक बिजली केंद्र, बैंक व डाकखाने की सुविधा समेत व्यावसायिक केंद्र है। 385 करोड़ की लागत वाली इस परियोजना में अब तक 295 करोड़ खर्च कर 2112 फ्लैट, एक हायर सेकेंडरी स्कूल, 10 किलोमीटर लंबी सड़क, दो सामुदायिक भवन, 19 किलोमीटर लंबी नालियां, 150 सेप्टिक टैंक व सोकेज पिट, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट व 141 ब्लॉक के लिए पेयजल आपूर्ति कार्य, बिजली सब स्टेशन का एचटी नेटवर्क का काम पूरा हो चुका है। इसके अलावा 126 ब्लॉकों का विद्युतीकरण काम पूरा करने के अलावा एक स्वास्थ्य केंद्र और चार हरित क्षेत्रों का भी विकास हो चुका है। 31 मार्च तक पूरा किए जाने वाले दूसरे चरण में 2112 फ्लैट, एक मिडल स्कूल, पौने आठ किमी सड़कें, चार किमी लंबी नालियां, 26 सेप्टिक टैंक व सोकेज पिट, 35 ब्लॉक में पेयजल आपूर्ति, 11 हरित क्षेत्र विकसित किए जाएंगे। कॉलोनी में प्रस्तावित ओल्डएज होम और 40 बिस्तरों वाले अस्पताल का काम जुलाई 2011 में पूरा कर लिया जाएगा। कॉलोनी में तीन हजार परिवार मार्च 2011 के अंत तक मुट्ठी, पुरखू, मिश्रीवाला और नगरोटा के विस्थापित शिविरों से आ यहां रहने लगेंगे।

सुविधा

- जगटी में दो स्कूल और एक 40 बेड वाला अस्पताल भी